सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

# डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 302 | इंदौर, बुधवार 20 मई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

सीबीआई का बड़ा एक्शन

## कर्नल हिमांशु बाली गिरफ्तार, 50 लाख की रिश्वतखोरी का आरोप

**नई दिल्ली, (एजेंसी) सीबीआई ने बड़ा एक्शन लेते हुए कर्नल हिमांशु बाली को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर 50 लाख रुपये की रिश्वतखोरी का आरोप है। न्यूज एजेंसी को मिली सूचना के मुताबिक केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) आर्मी ऑर्डिनेंस कोर, ईस्टर्न कमांड फोर्ट विलियम (कोलकाता) के कर्नल हिमांशु बाली को अरेस्ट किया है।**

### पैसे के लिए घटिया प्रोडक्ट को दी मंजूरी

बता दें कि इससे पहले सीबीआई ने 50 लाख रुपये रिश्वत के मामले में कोलकाता स्थित पूर्वी कमान में तैनात सेना के आयुध कोर के कर्नल हिमांशु के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अधिकारियों के मुताबिक कर्नल पर कानपुर की एक कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए निविदा जारी करने में हेरफेर, घटिया नमूनों को मंजूरी देने और लंबित और बढ़े हुए बिल के भुगतान को आसान बनाने का आरोप है।

### बिजनेसमैन से रिश्वत के लिए किया संपर्क

FIR में सीबीआई ने कहा कि कर्नल ने एक उद्योगपति से रिश्वत को लेकर संपर्क किया था, जिस पर व्यवसायी ने नकदी न होने का हवाला दिया। बाद में अधिकारी ने उद्योगपति के वाहन चालक को फोन करके अपने एक परिचित को रिश्वत राशि का भुगतान करने के लिये कहा। सीबीआई के अनुसार 50 लाख रुपये की रिश्वत राशि को हवाला के जरिए भेजने की योजना थी।

## इटली की सड़कों पर 'मेलोडी' की धूम! पीएम मोदी ने मेलोनी संग किया डिनर, फिर देखा कोलोसियम

**रोम, (एजेंसी)** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों के अहम कूटनीतिक दौरे के आखिरी पड़ाव पर मंगलवार को इटली की राजधानी रोम पहुंचे। रोम पहुंचने पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने बेहद खास अंदाज में उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने डिनर के बाद रोम के ऐतिहासिक 'कोलोसियम' का एक साथ दौरा किया है। इसके बाद, सोशल मीडिया पर एक बार फिर 'मेलोडी' (Meloni+Modi = Melodi) ट्रेंड कर रहा है।

मोहन कैबिनेट बैठक आज

# ट्रांसफर पॉलिसी को मिल सकती है मंजूरी 25 मई से तबादले हो सकते है शुरू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**भोपाल, एजेंसी।** मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक प्रस्तावित है। इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मंजूरी मिल सकती है। इसमें नई तबादला नीति 2026 को मंजूरी मिल सकती है। इसमें जनगणना ड्यूटी में लगे कर्मचारियों का सामान्य परिस्थितियों में तबादला नहीं किया जाएगा। हालांकि विशेष परिस्थितियों में उनके आवेदन पर विचार किया जा सकेगा, लेकिन उन्हें जनगणना कार्य पूरा होने के बाद ही कार्यमुक्त किया जाएगा। नई नीति में स्वैच्छिक तबादलों को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। सरकार कुल कर्मचारियों में से लगभग 5 से 10 प्रतिशत तक तबादले कर सकती है। एक ही स्थान पर तीन वर्ष से अधिक समय से पदस्थ कर्मचारियों को तबादले के दायरे में लाया जा सकता है। जानकारी के अनुसार, तबादलों की प्रक्रिया 25 मई से शुरू हो सकती है।

### ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था

नई नीति के तहत सभी विभागों में तबादलों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया लागू रहने की संभावना है। साथ ही कुछ विभागों को अलग ट्रांसफर पॉलिसी जारी करने की छूट भी मिल सकती है। इनमें स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य, ऊर्जा और राजस्व विभाग शामिल हैं। हालांकि, इन विभागों की नीति भी सामान्य प्रशासन विभाग के मूल दिशा-निर्देशों के दायरे में रहेगी।

### जिलों में प्रभारी मंत्री और कलेक्टर को अधिकार

प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के जिला स्तर पर तबादले प्रभारी मंत्री की अनुशंसा के बाद कलेक्टर द्वारा किए जाएंगे। वहीं, प्रथम श्रेणी अधिकारियों के ट्रांसफर के लिए मुख्यमंत्री की स्वीकृति आवश्यक होगी। इसके अलावा, पिछले एक वर्ष के भीतर स्थानांतरित कर्मचारियों को सामान्य परिस्थितियों में दोबारा ट्रांसफर से राहत देने का प्रावधान भी रखा जा सकता है।

ईरान युद्ध की आग में प्रतिष्ठा तक जला बैठा यूएस

# अब तक 42 विमान गंवाए; 2.4 लाख करोड़ रुपए स्वाहा

**वाशिंगटन, (एजेंसी)** बीते 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों से पूरी दुनिया में खलबली मच गई। अब युद्ध शुरू हुए 2 महीने से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन इसके खत्म होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अमेरिका की बात करें तो इस जंग की आग में वह अपनी प्रतिष्ठा तक जला बैठा है। कहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हमले के जरिए ईरान में सत्ता परिवर्तन का सपना देख रहे थे और कहां ईरान अपनी शर्तों से झुकने तक को राजी नहीं हुआ है। इस बीच अब एक रिपोर्ट में

खुलासा हुआ है कि ईरान युद्ध में अमेरिका ने अब तक अपने 42 जेट्स और 2 लाख करोड़ रुपए गंवा दिए हैं।

अमेरिकी संसद की आधिकारिक रिसर्च विंग 'कांग्रेशनल रिसर्च सर्विस' (CRS) की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में अमेरिकी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस युद्ध में अमेरिका के कम से कम 42 लड़ाकू विमान, रीपर ड्रोन और अन्य विमान या तो पूरी तरह तबाह हो गए हैं या उन्हें भारी नुकसान पहुंचा है। इस नुकसान की वजह से अमेरिकी रक्षा मंत्रालय का युद्ध बजट भी नाटकीय तरीके से बढ़ गया है।

गौरतलब है कि वियतनाम और इराक युद्ध के बाद यह पहला मौका है जब किसी युद्ध में अमेरिका को अपने इतने एडवांस और महंगे विमानों को गंवाना पड़ा है। CRS ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय और सेंट्रल कमान के बयानों और खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर अमेरिकी हथियारों की तबाही का जो आंकड़ा तैयार किया है, वह अमेरिकी सैन्य इतिहास में हाल के दिनों का सबसे बड़ा नुकसान है। अमेरिका का सबसे आधुनिक और खतरनाक माना जाने वाला 'किलर ड्रोन' इस युद्ध में ईरान का सबसे आसान शिकार बना। ईरान ने युद्ध में US के 24 रीपर ड्रोन मार गिराए गए हैं।

जनसुनवाई बनी जरूरतमंदों के लिए सहारा, इलाज से लेकर बच्चों के भविष्य तक प्रशासन ने बढ़ाया मदद का हाथ

# विशेष शिविर आयोजित कर 46 बच्चों के बनाए जाएंगे जन्म प्रमाणपत्र, बच्चों को मिलेगी नई पहचान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

**इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई एक बार फिर आमजन के लिए राहत का सशक्त माध्यम बनी। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर शिवम वर्मा ने गंभीरता से सुना तथा संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायता उपलब्ध कराई। प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली से लाभान्वित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।**

भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की सुविधा हेतु विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर परिसर में बैठने की समुचित व्यवस्था, शीतल पेयजल, कुलर एवं मिस्ट कूलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही प्रत्येक आवेदक की वातानुकूलित कक्ष में सुनवाई की गई, ताकि उन्हें सहज एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्वयं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा पेयजल की गुणवत्ता जांचने के लिए स्वयं पानी पीकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनसुनवाई में बोहरा समाज के समाजजनों के साथ पहुंचे शेख ताहा ने कलेक्टर शिवम वर्मा को शॉल पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि बुरहानुद्दीन मोहवाला नामक व्यक्ति बीमार अवस्था में लावारिस हालत में सड़क पर मिले थे। जिसके बाद जिला प्रशासन के सहयोग से उन्हें वृद्धाश्रम में भर्ती कर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस मानवीय सहयोग के लिए उन्होंने शासन-प्रशासन का आभार जताया।

एयरपोर्ट क्षेत्र निवासी मोहित बच्चों को लेकर जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने बताया कि आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में क्षेत्र के 46 बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे है। जिससे उन्हें कई परेशानियों के साथ शिक्षा के लिए स्कूलों में एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। इन बच्चों का जन्म अस्पताल में न होकर, घर पर हुआ था। कलेक्टर शिवम वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल क्षेत्र में कल विशेष शिविर आयोजित कर जन्म प्रमाण पत्र बनाने एवं बच्चों का स्कूल में प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक अन्य प्रकरण में श्रीमती माया मोइन के उपचार की व्यवस्था होने पर क्षेत्रीय रहवासी जनसुनवाई में पहुंचे और माला पहनाकर कलेक्टर शिवम वर्मा का आभार व्यक्त किया। रहवासी पवन पांचाल ने कलेक्टर श्री वर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि श्रीमती माया मोइन के लीवर में गांठ थी तथा आर्थिक तंगी के कारण उनका उपचार संभव नहीं हो पा रहा था। जनसुनवाई में मामला सामने आने के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर डेढ़ लाख रुपए के निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई। एक-दो दिन में उसका ऑपरेशन कराया जाएगा।

अन्य प्रकरण में एक बालिका को किडनी ट्रांसप्लांट के लिए दो लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई। वे किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं तथा उनकी माताजी उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट करेंगी। सहायता मिलने के बाद परिजनों ने जनसुनवाई में पहुंचकर मिठाई भेंट कर शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्टर शिवम वर्मा ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारियों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पंवार, रिंकेश वैश्य ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

# कारें भिड़ीं, एक की मौत, तीन घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

**इंदौर। तेजाजी नगर इलाके में देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। हादसा एबी रोड बायपास स्थित तेजाजी नगर ब्रिज के पास हुआ, जहां दो कारें आपस में टकरा गईं।**

पुलिस के मुताबिक घटना रात करीब 1 बजे की है। सूचना मिलते ही तेजाजी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। एसआई अविनाश नागर ने बताया कि एक कार में प्रथम चौधरी (22) निवासी रंगवासा, कृष्णा (30) निवासी सांवेर और चेतन चौधरी (35) निवासी सांवेर सवार थे। वहीं दूसरी कार में युवराज (29) निवासी सांवेर मौजूद था। इलाज के दौरान प्रथम चौधरी की मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और दोनों वाहन किस दिशा में जा रहे थे। दोनों क्षतिग्रस्त कारों को पुलिस ने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

## कलेक्टर के निर्देश पर बसों पर बड़ी कार्रवाई

# कमियां पाए जाने पर आठ बसों से वसूला 2.26 लाख जुर्माना, 2 बसों के फिटनेस किए निरस्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

**इंदौर।** कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आरटीओ और जिला प्रशासन की टीम द्वारा मंगलवार को इंदौर में बसों की सघन जांच की गई। बसों में इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकाल में सुगम निकास व्यवस्था आदि की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान आठ बसों से 2 लाख 26 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया और दो बसों के फिटनेस निरस्त किये गये।

शहर में स्टार चौराहे पर आरटीओ और जिला प्रशासन की टीम द्वारा अनफिट और बिना परमिट की बसों पर संयुक्त कार्रवाई की गई। लोक परिवहन वाहनों खासकर आल इंडिया टूरिस्ट बसों में इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकाल

में सुगम निकास व्यवस्था की जांच की गई। बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने, ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट लेकर स्टेज कैरिज के रूप में बसों का संचालन करने एवं परमिट शर्तों का उल्लंघन करने पर 8 बसों पर कार्रवाई करते हुए 2 लाख 26 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया। जिन बसों में इमरजेंसी एग्जिट बंद पाया गया, फायर एक्सटिंग्विशर खराब स्थिति में पाए गए, ऐसी बसों के फिटनेस निरस्त किए गए और दस्तावेज पूरे नहीं होने पर जुर्माना लगाया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में आरटीओ प्रदीप शर्मा, जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम घनश्याम धनगर, एआरटीओ राजेश गुप्ता एवं उड़नदस्ता टीम प्रभारी आकाश सिठोले उपस्थित रहे। बसों के चालक परिचालक को समझाइस भी दी गई कि वह बसों में किसी भी प्रकार का ज्वलनशील पदार्थ का परिवहन न करें। जिस प्रकार फ्लाइट में यात्रियों को आपातकाल स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी दी जाती है उसी प्रकार बसों में भी सवारियों को जानकारी दी जाए। इमरजेंसी एग्जिट, कांच तोड़ने हेतु रखे गये हैमर और इसके उपयोग आदि की जानकारी दी जाए।

## राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वय

# जिले में अब तक 15 हजार से अधिक मरीजों के कराए गए एक्स-रे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

**इंदौर। जिले में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत गत 24 मार्च से प्रारंभ हुए टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत इन्दौर जिले में अब तक 16200 अपेक्षित लक्ष्य के विरूद्ध आज दिनांक 19 मई तक 15051 एक्स-रे किए जा चुके है, जो कि लक्ष्य 92.9 प्रतिशत है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि इन्दौर जिले में 2 हेण्ड हेल्ड एक्स-रे मशीन है और 10 फिक्स एक्स-रे मशीन है, प्रिवेंटिव इलाज में भी इन्दौर जिला मध्य प्रदेश में दूसरे स्थान पर है, अभी भी अभियान के दौरान यह सेवाएँ निरंतर प्रदान की जा रही है।**

# शराब कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसाया, एक करोड़ मांगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

**इंदौर। शराब कारोबारी हितेंद्र सिंह चौहान को हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। क्राइम ब्रांच ने महिला शराब तस्कर अलका दीक्षित, उसके बेटे जयदीप, प्रॉपर्टी कारोबारी लाखन चौधरी समेत हेड कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा को हिरासत में लिया है। आरोप है कि ये गैंग, कारोबारी के निजी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रुपए की डिमांड कर रहा था।**

मामले की मास्टरमाइंड श्वेता विजय जैन को बताया जा रहा है, जो 2019 के बहुचर्चित हनी ट्रैप केस में सजा काट चुकी है। उसे भी हिरासत में ले लिया गया है। फिलहाल, जांच जारी रहने की बात कहते हुए पुलिस ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर रही है। डीसीपी (क्राइम) राजेश त्रिपाठी ने बताया कि बाणगंगा इलाके में रहने वाले 45 वर्षीय हितेंद्र सिंह चौहान ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि द्वारकापुरी निवासी अलका दीक्षित से उनकी जान-पहचान है। अलका अवैध शराब तस्करी से जुड़ी रही है और उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। चौहान ने कहा- अलका ने मेरी मुलाकात खंडवा निवासी लाखन चौधरी से करवाई थी। वह पीथमपुर के पास खंडवा गांव का रहने वाला है। लाखन ने खुद को बड़ा निवेशक बताते हुए देवास, धार, खंडवा और आसपास प्रॉपर्टी बिजनेस में साझेदारी का प्रस्ताव दिया। मैंने प्रस्ताव ठुकरा दिया तो अलका और लाखन ने दबाव बनाना शुरू कर दिया। चौहान के मुताबिक, कुछ समय बाद लाखन दोबारा मिला और धमकी भरे अंदाज में कहा- प्रॉपर्टी बिजनेस में 50 प्रतिशत की साझेदारी करनी होगी, वरना हम तुम्हारे अश्लील फोटो-वीडियो वायरल कर देंगे। मैंने फिर भी उनकी बात नहीं मानी। करीब 20 दिन पहले मैं किसी काम से सुपर कॉरिडोर गया था। वहां अलका, अपने बेटे जयदीप और लाखन के साथ पहुंच गई। तीनों ने मेरे साथ मारपीट की। रुपए नहीं देने पर गोली मारने की धमकी भी दी।एक करोड़ रुपए की मांग करते हुए उन्होंने कहा- ऐसा हाल करेंगे कि समाज में मुंह दिखाने लायक नहीं बचोगे।

इसके बाद हितेंद्र सिंह चौहान ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। शिकायत मिलते ही क्राइम ब्रांच एक्टिव हो गई। 17 मई को रात 2 बजे एडिशनल कमिश्नर और तीन डीसीपी ने बैठक की। अलका और उसके साथियों को दबोचने का मास्टर प्लान तैयार किया। इसे मिशन सीक्रेट नाम दिया गया। 40 चुनिंदा पुलिस जवानों की 7 टीमें बनाई गईं। इन सभी टीमों ने रात 3 बजे द्वारिकापुरी और पीथमपुर के ठिकानों पर एक साथ धावा बोला। रात 3.30 बजे द्वारकापुरी स्थित घर से अलका का बेटा जयदीप पकड़ में आया। अलका वहां नहीं मिली, तो पुलिस ने घेराबंदी बढ़ाई। 18 मई को तड़के 4 बजे अलका को उसके एक निर्माणाधीन मकान से दबोचा गया। वहीं, दूसरी टीम ने पीथमपुर से लाखन चौधरी को हिरासत में ले लिया। शाम 4 बजे भोपाल स्थित मिनाल रेसीडेंसी से श्वेता जैन को हिरासत में लिया, देर रात पूछताछ के लिए उसे इंदौर लाया गया।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि इंटेलिजेंस ब्रांच का हेड कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा लगातार अलका के संपर्क में था। दोनों के बीच चैटिंग भी सामने आई। यह भी पता लगा कि कारोबारी के निजी वीडियो और फोटो अलका ने विनोद शर्मा को भेजे थे। विनोद ने ही अलका को कारोबारी पर दबाव बनाने और धमकाने की सलाह दी थी।

इस इनपुट पर पुलिस ने हेड कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा को राजेंद्र नगर स्थित सरकारी आवास से पकड़ लिया। उसका लैपटॉप और मोबाइल भी जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान उसके बेटे ने पुलिस से विवाद भी किया। इंटेलिजेंस ब्रांच से पहले विनोद शर्मा पहले क्राइम ब्रांच, चंदन नगर और अन्नपूर्णा थाने में रह चुका है।

# बच्चों ने डांस और ड्रॉइंग से दिया ट्रैफिक नियमों का संदेश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

**इंदौर।** आम जनता को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार नई पहल की जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को पलासिया चौराहे के पास एक अनूठा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। यहां एक डांस स्टूडियो के बच्चों ने रोड सेफ्टी गीतों पर प्रस्तुति दी, वहीं स्पेशल चिल्ड्रंस ने ड्राइंग बनाकर यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया। छोटे बच्चों ने रोड सेफ्टी गीतों पर आकर्षक डांस प्रस्तुत किया। अपनी कला के माध्यम से उन्होंने सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेश प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाए। बच्चों ने वाहन में क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठाने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करने, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने, गलत दिशा में वाहन नहीं चलाने और हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग करने जैसे संदेश डांस स्टेप्स और तख्तियों के जरिए दिए। अभियान में शामिल एक संस्था के स्पेशल चिल्ड्रंस ने ड्राइंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा के संदेशों को कागज पर उकेरा। बच्चों की रचनात्मकता और जागरूकता को देखकर मौजूद लोगों ने उनकी सराहना की। उन्होंने ट्रैफिक नियमों और सड़क सुरक्षा से जुड़े अलग-अलग विषयों पर चित्र बनाए। इधर, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने बच्चों की प्रस्तुतियों और ड्रॉइंग की जमकर तारीफ की। उन्होंने बच्चों से संवाद भी किया और उनके सवालों के जवाब दिए।

# अशरफी नगर में देसी कट्टे से चलाई गोली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

**इंदौर।** खजराना थाना क्षेत्र में सोमवार रात को बच्चों के विवाद में दो पक्ष भिड़ गए। इसके बाद विवाद बढ़ गया और एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर गोली चला दी, गोली एक युवक के पैर में लगी और वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया। इधर, पुलिस ने गोली चलाने वाले युवक को हिरासत में ले लिया और पूछताछ की जा रही है। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि घटना खजराना थाना क्षेत्र के अशरफी नगर की है। यहां पर पड़ोसियों के बच्चों में विवाद हो गया था, जिसके बाद विवाद बड़ों में भी हो गया। इस विवाद में इरशाद नामक एक युवक ने देसी कट्टे से फायर कर दिया, गोली वसीम के पैर में जा लगी थी। इस मामले में वसीम की शिकायत पर पुलिस इरशाद और साहिल को गिरफ्तार कर लिया है। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इरशाद ने वारदात में जिस देसी कट्टे का इस्तेमाल किया वह अवैध था। उससे जानकारी निकाली जा ही है कि वह ये देसी कट्टा कहां से लेकर आया था और कट्टे को अपने पास किस वजह से रखा था। आरोपी के बारे में जानकारी मिली है कि इस पर मारपीट और लड़ाई झगड़े के कुछ मामले पहले के है। इधर, घायल के पैर में गोली लगी है, उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है, फिलहाल उसकी हालत ठीक है।

# किशोर के दिल में था 27 एमएम का छेद ओपन सर्जरी के बगैर कर दिया डॉक्टरों ने बंद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

**इंदौर।** खंडवा के 16 वर्षीय किशोर को नया जीवन मिला है। इंदौर के इंडेक्स अस्पताल में की गई जांच में उसके दिल में 27 एमएम का छेद होने का पता चला, जिसे डॉक्टरों ने ओपन सर्जरी के बगैर ही बंद कर दिया। मात्र 20 मिनट में ऑपरेशन किया गया और दो दिन में मरीज को अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई। आयुष्मान कार्ड के जरिए ऑपरेशन कर मरीज से कोई पैसा भी नहीं लिया गया। इस सर्जरी में डॉक्टरों ने पैरों की नसों के माध्यम से एएसडी डिवाइस और सेप्टल ऑक्लूडर लगाया, जिससे दिल के छेद को बंद किया गया। इसके लिए इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी तकनीक अपनाई गई। अस्पताल के डॉ. सुदीप

वर्मा ने बताया कि खंडवा के समीप एक गांव में रहने वाले 16 वर्षीय बच्चे को एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट नामक बीमारी थी। इसमें दिल के ऊपरी दोनों चेंबरों के बीच छेद हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह प्रभावित होता है। यदि समय पर इसका इलाज नहीं किया जाए तो फेफड़ों और हृदय पर गंभीर असर पड़ सकता है। पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी के बजाय इस मरीज का इलाज आधुनिक इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी तकनीक से किया गया। ऑपरेशन के दौरान पैरों की नसों के माध्यम से कैथेटर डालकर दिल तक पहुंचा गया और वहां विशेष एएसडी डिवाइस एवं सेप्टल ऑक्लूडर लगाकर छेद को बंद किया गया। पूरी प्रक्रिया मात्र 20 मिनट में पूरी हो गई और मरीज को किसी बड़े चीरे या ओपन सर्जरी की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस तरह की प्रक्रिया में मरीज जल्दी रिकवर होता है और संक्रमण का खतरा भी कम रहता है।

# 25 मई को कलेक्ट्रेट में वृद्धजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित होगा

## भरण-पोषण, पारिवारिक विवाद, पेंशन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का होगा समाधान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

**इंदौर।** वृद्धजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 25 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर जनसुनवाई के दौरान वृद्धजनों से लगातार प्राप्त हो रही समस्याओं के मद्देनजर आयोजित किया जा रहा है। शिविर सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश दिए है कि शिविर का प्रभावी और परिणाम मूलक आयोजन हो और अधिक से अधिक वृद्धजनों को इस शिविर का लाभ मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस शिविर में सभी एसडीएम अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। बताया गया कि जनसुनवाई में बड़ी संख्या में वृद्धजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं, जिनमें पारिवारिक विवाद, भरण-पोषण संबंधी प्रकरण और सामाजिक उपेक्षा जैसे विषय प्रमुख रूप से सामने आते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विशेष फोकस के साथ यह शिविर लगाया जा रहा है।

शिविर में भरण-पोषण अधिनियम के तहत आने वाले मामलों का निराकरण किया जाएगा। साथ ही यदि किसी वृद्धजन का पारिवारिक विवाद मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाया जा सकता है, तो उसके लिए भी विशेष व्यवस्था रहेगी।

# मध्यप्रदेश में समय सीमा से पहले नक्सलवाद की समाप्ति में सफलता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्र के लिये 330 करोड़ रुपये की माइक्रो डेवलपमेंट योजना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**भोपाल, एजेंसी।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में सम्पन्न मध्य क्षेत्रीय बैठक में प्रदेश में किए गए जनकल्याणकारी कार्यों और सुशासन के प्रयासों की जानकारी दी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित 'मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक' में सहभागिता करते हुए सहकारिता, साइबर सुरक्षा, शिक्षा, शहरी विकास, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, डिजिटल अधोसंरचना विकास, दूध उत्पादन आदि क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की प्रगति की जानकारी साझा की गई।

**समय के पहले खत्म किया नक्सलवाद-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

बताया कि मध्यप्रदेश ने केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा से पहले नक्सल समस्या का उन्मूलन करने में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों में विशेष प्रयासों से सफलता प्राप्त की गई। जहां अनेक इनामी नक्सलवादियों ने समर्पण किया वहीं अनेक नक्सल तत्वों का सफाया भी किया गया। जवानों और सुरक्षा बलों को आवश्यक प्रोत्साहन भी दिया गया। नागरिकों के मन में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। बैठक में 'नक्सल मुक्त भारत' के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह का संपूर्ण प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया। प्रदेश में नक्सलवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों के विकास के लिए नए लक्ष्य तय किए गए हैं। नक्सलवाद से प्रभावित रहे ग्रामों के लिए 330 करोड़ रुपये लागत की माइक्रो डेवलपमेंट योजना लागू की गई है। अलग-अलग योजनाओं के तहत सड़क, पुल, मोबाइल टॉवर, नई सुरक्षा व्यवस्थाएं स्थापित की जा रही हैं।

**सुशासन पर हुई विशेष चर्चा-** मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में सुशासन पर विशेष चर्चा हुई। इसके साथ ही जनकल्याण, सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और मेजबान राज्य छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय उपस्थित थे। मध्यप्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी भागीदारी की। बैठक में अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## महाकाल मंदिर के नंदी हॉल का स्वरूप बदलेगा

### सावन माह से पहले होगा सौंदर्यीकरण, 20 लाख रुपए खर्च होंगे, एक्वॉरिटक ट्रीटमेंट भी किया जाएगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के नंदी हॉल का जल्द ही नया स्वरूप देखने को मिलेगा। मंदिर प्रशासन और उज्जैन विकास प्राधिकरण की मदद से करीब 20 लाख रुपए की लागत से नंदी हॉल का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। माना जा रहा है कि सावन माह से पहले यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा।**

मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि नंदी हॉल के रिनोवेशन के लिए एजेंसी तय कर दी गई है और जल्द काम शुरू होगा। योजना के तहत नंदी हॉल के दोनों पिलरों को कवर किया जाएगा। इसके अलावा डक्ट, कैमरे, इलेक्ट्रिक वायरिंग और पाइपलाइन को कंसील कर व्यवस्थित रूप दिया जाएगा। नंदी हॉल में लगे मार्बल की विशेष सफाई करवाई जाएगी और पेंटिंग के जरिए उसके पुराने वैभव को बरकरार रखा जाएगा। प्रशासन का कहना है कि नंदी हॉल को मॉर्डन लुक देने के साथ उसकी आध्यात्मिक पहचान भी कायम रखी जाएगी। आने वाले समय में नंदी हॉल में फ्लोरिंग बदलने का काम भी किया जाएगा। वहीं नंदी की प्रतिमा के सामने दोनों ओर चांदी से जड़ित आकृतियां और मूर्तियां दीवारों पर स्थापित की जाएंगी। इससे पूरा नंदी हॉल चांदी की चमक से दमकता नजर आएगा। इसके साथ ही नंदी हॉल में एक्वॉस्टिक ट्रीटमेंट भी किया जाएगा, ताकि आरती, मंत्रोच्चार और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों की आवाजों में इको की समस्या खत्म हो सके और श्रद्धालुओं को बेहतर आध्यात्मिक अनुभव मिल सके।

### हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को दिए आदेश, सभी कलेक्टरों को जारी करें निर्देश

# निजी मंदिरों में सरकार की भूमिका नहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**जबलपुर, एजेंसी।** किसी भी निजी मंदिरों में सरकार की भूमिका नहीं है। मंदिर से जुड़ी भूमि के राजस्व रिकार्ड में कलेक्टर या पुजारी का ना प्रबंधक या ट्रस्टी के रूप में दर्ज किए जाने की भी आवश्यकता नहीं है। ऐसी संपत्ति देवता के नाम दर्ज होनी चाहिए। यह आहम आदेश मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने दिया है। एक पुजारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि सरकार किसी निजी मंदिर के प्रबंधन में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। जस्टिस दीपक खोत की बेंच ने राज्य के सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी मंदिर में प्रबंधन योजना लागू करने से पहले यह तय किया जाए कि वह मंदिर सार्वजनिक है या निजी।

दरअसल डूंडा सिवनी गांव स्थित एक शिव मंदिर के सर्वराकर (मंदिर,मठ या धार्मिक

संपत्ति के प्रबंधक,संरक्षक) की याचिका पर कोर्ट ने यह आदेश दिया है। याचिका में लोक न्यास रजिस्ट्रार द्वारा मंदिर के प्रबंधन के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित करने के आदेश को भी चुनौती दी गई है। सोमवार को हुई याचिका में पुजारी ने कोर्ट को बताया कि पिछले चार पीढ़ियों से उनका परिवार मंदिर की देखरेख कर रहा है। मंदिर का निर्माण वर्ष 1913 में स्वर्गीय भवानी पटेल ने कराया था और उसके रखरखाव व पुजारी के खर्च के लिए लगभग 14 एकड़ भूमि छोड़ी गई। बाद में 1962-63 में सर्वराकर के रूप में सुमरन का नाम अधिकार अभिलेख में दर्ज किया गया। हालांकि, गांव के कुछ लोगों की शिकायत के बाद लोक न्यास रजिस्ट्रार ने मंदिर प्रबंधन के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की।

याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि समिति में शामिल दो सदस्य सरकारी कर्मचारी हैं, जो धार्मिक गतिविधियों में भाग नहीं ले सकते। साथ ही बिना यह जांच किए कि मंदिर निजी है या सार्वजनिक, सरकार ने अपनी प्रबंधन योजना थोपने का प्रयास किया। राज्य की ओर से कहा गया कि जांच में मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना पाया गया और उसे मरम्मत की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि मंदिर से जुड़ी भूमि देवता के नाम पर दर्ज होती है, और कानून के अनुसार देवता को एक विधिक इकाई माना जाता है, जिसकी ओर से 'नेक्स्ट फ्रेंड' कार्य करता है। जस्टिस दीपक खोत की कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले स्टेट ऑफ मध्य प्रदेश बनाम पुजारी उत्थान एवं कल्याण समिति का हवाला देते हुए कहा कि मंदिर में स्थापित देवता ही संपत्ति के वास्तविक स्वामी होते हैं, और पुजारी केवल पूजा-अर्चना तथा संपत्ति की देखरेख के लिए होता है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि कलेक्टर को सभी मंदिरों का प्रबंधक नहीं माना जा सकता, जब तक कि वह मंदिर सरकारी नियंत्रण में न हो।

अदालत ने कहा कि यदि किसी निजी मकान या निजी संपत्ति में देवता स्थापित हैं, तो उस मंदिर की देखभाल करने वाले व्यक्ति को प्रबंधन में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मामले का निपटारा करते हुए हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप सभी जिला कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही सभी कलेक्टरों को विवाद की स्थिति में मंदिर की प्रकृति सार्वजनिक या निजी की विधिसम्मत जांच करने को कहा गया। अदालत ने संबंधित प्राधिकारी को यह भी निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए विवाद की जांच कर तीन महीने के भीतर यह तय किया जाए कि संबंधित मंदिर निजी है या नहीं।

## भीषण गर्मी से 2 लोगों की हुई मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**भोपाल, एजेंसी।** मध्य प्रदेश भीषण गर्मी की चपेट में है और इसका असर अब जनजीवन पर भी दिखाई देने लगा है। मंगलवार को प्रदेश में तेज गर्मी और लू जैसे हालात के बीच दो लोगों की मौत हो गई। दोनों को हीट स्ट्रोक यानी लू लगने की आशंका जताई गई है।

राजधानी भोपाल और इंदौर में दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बाजार और सड़कें सूनी नजर आईं। दोनों शहरों के ड्रोन वीडियो में भी सड़कों पर आवाजाही कम दिखी। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन प्रदेश में भीषण गर्मी और तापमान में 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। कई शहरों में लू जैसे हालात बने हुए हैं और फिलहाल राहत के संकेत नहीं हैं।

सतना के मझगवां बाजार में खरीदारी करने पहुंचे 50 वर्षीय देवराज सिंह गोंड की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। घटना के समय इलाके में तापमान 45 डिग्री के पार था। डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम नहीं होने के कारण मौत की वजह की पुष्टि नहीं की है, हालांकि लू लगने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, टीकमगढ़ में ओरछा से आ रही एक यात्री बस में महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिला एनडीएमए का प्रतिनिधिमंडल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**भोपाल, एजेंसी।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सोमवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी - एनडीएमए) के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पर सौजन्य भेंट की। एनडीएमए के प्रतिनिधिमंडल ने सिंहस्थ-2028 की तैयारी और तत्समय विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रबंधन सहित प्रदेश में आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में एनडीएमए के सदस्य कृष्णा एस. वत्सा, कर्नल के.पी. सिंह तथा गृह सचिव, मप्र शासन सुश्री कृष्णा वेणी देसावतु सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

## पत्नी ने पति को पीट-पीटकर मार डाला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**छतरपुर, एजेंसी।** मंगलवार को पत्नी ने लाठी-डंडों और बर्तनों से जमकर पीटा। पिटाई से पति के शरीर पर गंभीर चोटें आईं हैं। पेट-पीठ और कमर के हिस्सों में निशान पड़ गए हैं। युवक ने जिला अस्पताल में तड़प-तड़पकर जान चली गई। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान महोबा रोड निवासी 37 वर्षीय दीपक रैकवार उर्फ टीडे के रूप में हुई है। आरोपी पत्नी का नाम कमला रैकवार है। सिटी कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

# संपादकीय

## परमाणु नीति पर सर्वोच्च अदालत का कड़ा रुख

केंद्र सरकार ने देश के न्यूक्लियर पावर प्लांट में किसी अप्रिय घटना की स्थिति में मुआवजे की अधिकतम सीमा को 3,000 करोड़ रुपये तक सीमित कर दिया है, अब इस नए कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। अदालत ने याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, अप्रत्याशित न्यूक्लियर पावर प्लांट दुर्घटना की स्थिति में नागरिकों के प्रति सरकार की अतिरिक्त देयता निर्धारित करने से अदालतें नहीं रोकी जा सकतीं, भले ही अधिनियम के तहत इसे सीमित कर दिया गया हो। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की तीन जजों की बेंच वाली पीठ ने कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दे बेहद संवेदनशीन विधायी नीतिगत मुद्दे हैं और इस पर विस्तृत सुनवाई होगी। कोर्ट की यह टिप्पणी याचिकाकर्ता ई एस शर्मा के वकील प्रशांत भूषण के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुआवजे को सीमित कर दिया गया है, जबकि दुर्घटना कि स्थिति में नागरिकों को दिया जाने वाला मुआवजा हजारों करोड़ रुपये तक हो सकता है। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, 'हमारी चिंता यह है कि यदि कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना होती है और किसी व्यक्ति को चोट या क्षति पहुंचती है, तो क्या हमारे पास इसके लिए एक मजबूत मुआवजा तंत्र मौजूद है?' अदालत में याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करते हुए, अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि कुल दायित्व की सीमा तय करने सहित तीन मुख्य मुद्दे हैं। भूषण ने 2011 में जापान में हुई फुकुशिमा दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र दुर्घटना का हवाला देते हुए दलील दी, 'यदि कोई परमाणु दुर्घटना होती है तो उससे होने वाला नुकसान इससे सैकड़ों गुना अधिक होता है।' उन्होंने दलील दी कि सरकार नीति के माध्यम से जो चाहे कर सकती है लेकिन वह नागरिकों के अधिकारों की बलि नहीं चढ़ा सकती। पीठ ने कहा, 'यह एक अत्यंत संवेदनशील विधायी नीतिगत मुद्दा है।' पीठ ने इस बात पर भी गौर किया कि प्रौद्योगिकी बाहर से ही लानी होगी और आश्चर्य व्यक्त किया कि यदि दायित्व की सीमा तय नहीं की गई तो यहां संचालन करने कौन आएगा। न्यायालय ने कहा कि ऐसी कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के होने पर सरकार भी मुआवजा देगी। पीठ ने टिप्पणी की कि दायित्व पर सीमा लगाने से किसी भी घटना के पीड़ित को दिए जाने वाले मुआवजे का निर्धारण करने की न्यायालय की शक्ति पर कोई असर नहीं पड़ता। भूषण ने दलील दी कि परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की लागत सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की लागत से कहीं अधिक है।

ज्ञान-विज्ञान

# हंतावायरस का कहर थमा नहीं कि वापस लौटा इबोला

**दुनिया में हंतावायरस का प्रकोप अभी थमा नहीं है कि इबोला महामारी ने फिर दस्तक दे दी है। इबोला का कहर दो अफ्रीकी देशों में सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। अफ्रीका सीडीसी ने कहा है कि कांगो में इबोला महामारी का रूप लेती दिख रही है। इसके अलावा युगांडा में भी इबोला के कारण कई लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। दोनों देशों में इबोला से मरने वालों की तादाद सैकड़ों में है। खराब स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा और लचर निगरानी के कारण इबोला से मरने वाले लोगों की संख्या का सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है।**

### ● युगांडा ने इबोला को लेकर क्या बताया

युगांडा ने शुक्रवार को अत्यधिक संक्रामक इबोला वायरस बीमारी के फैलने की पुष्टि की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह प्रकोप इबोला के 'बुंडिबुग्यो स्ट्रेन' (प्रकार) के कारण हुआ है। मंत्रालय ने बताया कि यह मामला डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो से आया हुआ (आयातित) संक्रमण था। रक्तस्राव (hemorrhagic) के लक्षण दिखाई देने के बाद, 14 मई को गहन चिकित्सा कक्ष (ICU) में मरीज की मृत्यु हो गई।

### ● कांगो में इबोला से 80 लोगों की मौत

कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि पूर्वी इटुरी प्रांत में इबोला के नए प्रकोप में 80 लोगों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री सैमुअल रोजर काम्बा मुलाम्बा ने एक बयान में कहा कि गुरुवार को जांचे गए नमूनों में रवाम्पारा, मोंगवालू और बुनिया के स्वास्थ्य क्षेत्रों में इबोला वायरस के बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के आठ मामलों की पुष्टि हुई है। मंत्रालय ने बताया कि अब तक वायरस के 246 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। संदिग्ध पहला मामला एक नर्स का था, जिसकी बुनिया के इवेंजेलिकल मेडिकल सेंटर में बुखार, खून बहना, उल्टी और अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखने के बाद मौत हो गई थी।

### ● अफ्रीका CDC ने इबोला महामारी की पुष्टि की

अफ्रीका की शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी ने शुक्रवार को इससे पहले कहा था कि DRC

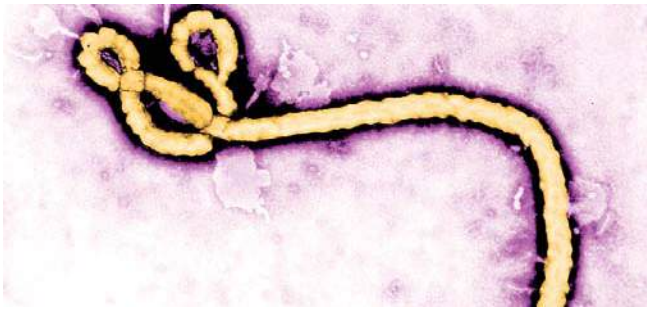

के इटुरी प्रांत में इबोला का एक पुष्ट प्रकोप है, और अब तक मरने वालों की संख्या 65 बताई थी। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने एक बयान में कहा कि वह सीमा पार निगरानी, तैयारी और प्रतिक्रिया प्रयासों को मजबूत करने के लिए कांगो, युगांडा, दक्षिण सूडान और वैश्विक भागीदारों के साथ एक तत्काल बैठक बुला रहा है।

### ● इबोला के घातक स्ट्रेन से तबाही

एजेंसी ने कहा कि मौतें और संदिग्ध मामले मुख्य रूप से मोंगवालू और रवाम्पारा स्वास्थ्य क्षेत्रों में सामने आए हैं, जबकि प्रयोगशाला में पुष्ट मामलों में से चार लोगों की मौत हुई है। प्रांतीय राजधानी बुनिया में भी संदिग्ध मामले सामने आए हैं। एजेंसी ने कहा कि शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि वायरस का एक गैर-जायर स्ट्रेन मौजूद है, और इसकी आगे की पहचान करने के लिए जीनोम अनुक्रमण का काम जारी है।

### ● हंतावायरस का कहर भी जारी

हंतावायरस का प्रकोप भी कम होने का नाम नहीं ले रहा है। एमवी हॉंडियस क्रूज शिप पर सवार कई यात्रियों को हंतावायरस से संक्रमित पाया गया है। क्रूज शिप को खाली करा लिया गया है और यात्रियों को उनके देशों को भेजा जा रहा है। हंतावायरस उन मनुष्यों को संक्रमित करता है जो संक्रमित कृन्तकों के मूत्र, मल या लार से वायरस कणों से दूषित हवा में सांस लेते हैं। वर्तमान प्रकोप एंडीज स्ट्रेन से जुड़ा है, जो दक्षिण अमेरिका के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानिक है। यह एकमात्र ऐसा प्रकार है जो मनुष्यों के बीच फैलता है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि संक्रमण का प्रारंभिक केंद्र कहां था। स्वास्थ्य अधिकारी वर्तमान में अर्जेंटीना में इस प्रकोप का पता लगाने में जुटे हैं, जहां से जहाज रवाना हुआ था।

अफ्रीका CDC बुनिया और रवाम्पारा के शहरी परिवेश के कारण, साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में जनसंख्या की भारी आवाजाही और खनन से जुड़ी गतिशीलता के कारण वायरस के और फैलने के जोखिम को लेकर चिंतित है। ये क्षेत्र युगांडा और दक्षिण सूडान के करीब हैं।

**- अफ्रीका रोग नियंत्रण, और रोकथाम केंद्र**

Maharashtra

# ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ आज देशभर में केमिस्ट ड्रगिस्ट करेंगे हड़ताल, मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

**मुंबई, (एजेंसी)** देशभर में बुधवार को 24 घंटों के लिए मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। अखिल भारतीय दवा विक्रेता संगठन (एआईओसीडी) ने ऑनलाइन दवा बिक्री की वैधता और नियमों पर सवाल उठाते हुए 20 मई, 2026 को 24 घंटे की राष्ट्रव्यापी दवा बिक्री हड़ताल का आह्वान किया है। संगठन का कहना है कि वर्तमान में ऑनलाइन दवा बिक्री पूरी तरह से गैरकानूनी है और उन्होंने सरकार से संबंधित अधिसूचनाओं को रद्द करने और एक नई नियामक रूपरेखा तैयार करने की मांग की है। एआईओसीडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएस शिंदे ने बताया कि हाल ही में शुरू हुई ऑनलाइन

दवा बिक्री नियमों का उल्लंघन करती है। उन्होंने विशेष रूप से जीएसआर 817 अधिसूचना का जिक्र किया, जिसे उन्होंने और संगठन ने पहले ही अनुचित बताया था। शिंदे के अनुसार, ऑनलाइन दवा बिक्री से माफिया को बढ़ावा मिल सकता है और इसके लिए एक मजबूत आईटी बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है, जिसका अभाव है। जीएसआर 817 अधिसूचना को रद्द करना: एआईओसीडी का मानना है कि यह अधिसूचना ऑनलाइन दवा बिक्री को वैध बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है और इसे तत्काल रद्द किया जाना चाहिए। नई नियामक रूपरेखा का मसौदा तैयार करना: मौजूदा अधिसूचना को रद्द करने के बाद, संगठन एक नई और मजबूत नियामक रूपरेखा के निर्माण की मांग कर रहा है, जो ऑनलाइन दवा बिक्री को नियंत्रित कर सके। ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक: सबसे महत्वपूर्ण मांग यह है कि ऑनलाइन दवा बिक्री को तुरंत बंद किया जाए।

P. Bangal

## अभिषेक बनर्जी की संपत्तियों पर चलेगा बुलडोजर? कितने घर रडार पर, मिला अल्टीमेटम

**कोलकाता, (एजेंसी)** लोकसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की संपत्तियों को ढहाने की कार्रवाई हो सकती है। खबर है कि KMC यानी कोलकाता नगर निगम ने उन्हें एक दर्जन से ज्यादा संपत्तियों के संबंध में नोटिस भेजे हैं और दस्तावेज पेश करने के लिए कहा है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। हाल ही में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी कहा था कि उन्होंने सरकारी अधिकारियों से तृणमूल कांग्रेस नेताओं की संपत्तियों की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए हैं।

टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि केएमसी ने अभिषेक की 17 संपत्तियों के अवैध हिस्सों के संबंध में नोटिस भेजा है। इस नोटिस में इमारतों के स्केच, लिफ्ट या एस्केलेटर्स की जानकारी भी मांगी गई है। अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि टीएमसी नेता के पास नोटिस को चुनौती देने के भी विकल्प हैं। साथ ही उन्हें यह बताना पड़ेगा कि अवैध हिस्से क्यों नहीं ढहाए जाने चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, नोटिस में कहा गया है कि कोलकाता नगर निगम (KMC) अधिनियम, 1980 की धारा 400(1) के तहत आपको आदेश दिया जाता है कि इस इमारत के जितने हिस्से का निर्माण बिना अनुमति या नियमों के खिलाफ जाकर किया गया है, उसे 7 दिनों के भीतर गिरा दें।

New Delhi

# सीजेआई सूर्यकांत बोले- शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार

**नई दिल्ली, (एजेंसी)** चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) जस्टिस सूर्यकांत ने मंगलवार को कहा कि देश में सभी लोगों को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन सड़क पर उतरकर आम लोगों के लिए परेशानी खड़ी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के नाम पर कानून-व्यवस्था बिगाड़ने या डर का माहौल बनाने की परमिशन नहीं दी जा सकती। CJI ने यह बात नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नामकरण को लेकर चल रहे विवाद से जुड़ी सुनवाई के दौरान कही। याचिका में दावा किया गया था कि एयरपोर्ट के नाम को लेकर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

Punjab

# पंजाब- ट्रक में घुसी कार, 4 दोस्तों की मौत 2 लाशें ड्राइविंग सीट पर फंसी, एक-दूसरे से चिपकीं, कटर से काटकर निकालीं

**गुरदासपुर, (एजेंसी)** गुरदासपुर में नेशनल हाईवे पर मंगलवार सुबह ऑल्टो कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। इससे कार सवार 4 दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। 2 की लाशें ड्राइवर सीट पर फंस गईं।

लोगों के अनुसार हादसे के दौरान जोरदार धमाका हुआ। इसके बाद सुबह पुलिस को बुलाया गया, फिर लाशों को बाहर निकालने के लिए कार की बॉडी को कटर से काटा गया। शवों को निकालने में डेढ़ घंटे का समय लग गया। सभी एक दूसरे से चिपके हुए मिले।

पुलिस जांच के अनुसार, तीन युवक हिमाचल प्रदेश के एक निजी नशा मुक्ति केंद्र से रात को

ही फरार हुए थे। केंद्र से भागने के बाद उन्होंने पठानकोट में रहने वाले चौथे दोस्त को कार समेत साथ लिया, जिसके बाद तड़के करीब 4 बजे यह हादसा हो गया। पुलिस अब उस ट्रक को ट्रेस करने में जुटी है, जिसके पीछे यह कार टकराई थी।

खेल

# लखनऊ पर जीत के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंची राजस्थान, वैभव के बाद जुरेल ने बिखेरा जलवा

**जयपुर।** वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल की अर्धशतकीय पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हराया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में वैभव ने धुआंधार बल्लेबाजी की और उनके आउट होने के बाद जुरेल ने दम दिखाया जिससे राजस्थान ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 225 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। राजस्थान ने इस तरह प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा है।

राजस्थान की जीत से पंजाब किंग्स की टीम अंक तालिका में पांचवें नंबर पर खिसक गई है। तीन टीमें प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं और अब एक स्थान के लिए राजस्थान, पंजाब, चेन्नई, कोलकाता और दिल्ली में जंग है। राजस्थान की जीत से एक बार फिर समीकरण दिलचस्प हो गया है। राजस्थान 13 मैचों में सात जीत और छह हार के साथ 14

अंक लेकर चौथे नंबर पर आ गई है, जबकि पंजाब 13 मैचों में छह जीत, छह हार और एक बेनतीजा के साथ 13 अंक लेकर पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान को शानदार शुरुआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले ही ओवर से आक्रामक बल्लेबाजी की जिससे लखनऊ के गेंदबाजों पर दबाव बना। आकाश सिंह ने हालांकि, यशस्वी को आउट कर लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। यशस्वी अर्धशतक लगाने से चूक गए और 23 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद वैभव ने अपना गियर बदला और 23 गेंदों पर पचासा पूरा किया। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ मिलकर धुआंधार बल्लेबाजी की और लखनऊ का जो गेंदबाज उनके सामने आया, उस पर बड़े शॉट खेले। जुरेल और वैभव ने 12वां ओवर डालने आए मयंक यादव के ओवर से 29 रन लुटाए। मोहसिन खान ने वैभव सूर्यवंशी को आउट कर राजस्थान रॉयल्स को दूसरा झटका दिया। सूर्यवंशी शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और शतक के करीब थे। मोहसिन की गेंद पर हालांकि, वह अब्दुल समद को कैच थमा बैठे। वैभव 38 गेंदों पर सात चौकों और 10 छक्के की मदद से 93 रन बनाकर आउट हुए। मोहसिन ने उन्हें जीवनदान भी दिया था, लेकिन वैभव इसका फायदा नहीं उठा सके और शतक लगाने से चूक गए। वैभव और जुरेल के बीच दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों पर 105 रनों की साझेदारी हुई।

वैभव के आउट होने के बाद लुहान ड्रि प्रिटोरियस भी रन आउट हो गए, लेकिन जुरेल ने अंत तक मोर्चा संभाले रखा। जुरेल ने 37 गेंदों पर पचासा पूरा किया जो उनका इस सीजन पांचवां अर्धशतक था। जुरेल टीम को जीत दिलाकर नाबाद पवेलियन लौटे। जुरेल 38 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 53 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि डोनोवान फरेरा 10 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 16 रन बनाकर नाबाद लौटे।

सिनेमा

# किस पर चीखे सलमान खान? आधी रात को ऐसा क्या हुआ

बॉलीवुड के दबंग एक्टर सलमान खान भले ही 60 साल के हो गए हैं, लेकिन उनके तेवर कम नहीं हुए हैं. उन्हें लड़ना भी आता है और अपनों के लिए आवाज उठानी भी आती है. सलमान ने खुद कई सारे पोस्ट करके लोगों को ये चेतावनी दे दी है कि उन्हें हल्के में लेने की बिल्कुल गलती न करें. सलमान खान का गुस्सा आखिर किसपर और क्यों फूटा है? दरअसल, सलमान खान बीती देर रात मुंबई के हिंदुजा हास्पिटल जा रहे थे. मगर कुछ पैपराजी ने सलमान को ट्राफिक सिग्नल पर देखने के बाद उनका हॉस्पिटल तक पीछा किया. अस्पताल के अंदर जाने के लिए सलमान जैसे ही अपनी गाड़ी से बाहर उतरे तो पैपराजी दबंग खान को 'भाईजान-भाईजान' कहकर चिल्लाने लगे. हास्पिटल के बाहर इस तरह चिल्लम-चिल्ली करना सलमान को पसंद नहीं आया और पैप्स पर उनका गुस्सा फूट पड़ा. सलमान उसी वक्त गुस्से में पैपराजी पर चिल्लाने लगे. सलमान ने फोटोग्राफर्स से कहा कि इस तरह अस्पताल के बाहर चिल्लाना सही नहीं है. अगर कोई उनका अपना अस्पताल में होता तो क्या तभी भी वो इसी तरह हंगामा करते? सलमान को गुस्से में भड़कता देख पैप्स सहम गए और उन्हें सॉरी-सॉरी बोलकर माफी मांगने लगे. दबंग खान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. एक्टर को गुस्से में देखकर फैंस के भी होश उड़ गए हैं, क्योंकि सलमान हमेशा पैप्स संग काफी फ्रेंडली नजर आते हैं. लेकिन इस बार पैप्स की हरकत ने उन्हें गुस्सा दिला दिया. हालांकि, सलमान को आगबबूला देखकर कई फैंस दबंग खान के सपोर्ट में आगे आ रहे हैं. फैंस सलमान को फायर बता रहे हैं. फैंस का कहना है कि सलमान इंडस्ट्री के सबसे रियल हीरो हैं, वो सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि इंसानियत के लिए भी आवाज उठाते हैं.

## Highlights

1. **India floats ₹290 crore tender for smart mine detectors**
2. **Tea stall owner killed over ₹200 dispute in Doddaballapur**
3. **Smuggling accused booked for threatening customs officer**
4. **Two arrested for attacking couple in road rage near Bengaluru**
5. **CCTV footage of man assaulting cow in Bengaluru sparks outrage**
6. **World Bee Day 2026: Why bees matter to people and the planet**

# Asus Zenbook Duo's real Intel chip leap meets an overwhelming utility crisis

**NEW DELHI, (Agency).** It is becoming increasingly difficult to get excited about laptops that try to be different, because more often than not, they are expensive without any substantial additional value. It is often the hardware, or the Windows operating system, that remains inconsistent and erratic. Since HT first reviewed the dual-screen Asus ZenBook Duo in 2024, a lot of water has passed under the bridge. Have things evolved since then? That's a ₹299,990 question, to which the answer is rather straightforward.

What was innovative and different hasn't evolved to anything more than a force of habit for the brand. One new iteration every year, because it simply has to be done. The experience hasn't evolved meaningfully, and neither has the product itself, apart from the generational uptick of specs. Of course, this time it's Intel's latest Panther Lake chips, which are indeed a leap ahead.

The fact that the Zenbook Duo (UX8407AA-SN183WS) sits comfortably neither as a laptop, a convertible, a tablet, nor a desktop is a remarkable consistency in achieving nothing at all. The closest I'd classify this as is a desktop replacement, and even then, you'd be better off with an actual desktop. This is too thick and heavy to work as a laptop that you may wish to carry around, or as a tablet. The saving grace is that this 100-watt Type-C power adapter doesn't have a brick, which is still common with many laptops—Asus made this adapter design switch a while ago, and many others still haven't shown the willingness to do so. Little things do matter.

For whatever the opinions about the form factor and indeed its utility, this is undoubtedly a well-made machine. Asus' use of Ceraluminum gives this a rather desirable mix of rigid build, a nice shade of Moher Grey and a finish that doesn't catch fingerprints easily (though dust shows up more often than not).

# Tech Tonic | Musk v. Altman, and a reality of bickering adults holding AI's keys

**NEW DELHI, (Agency).** Absolute shambles to close the Musk v. Altman trial, with the judge ruling that Elon Musk took far too long to sue OpenAI and CEO Sam Altman over an alleged violation of an agreement to run OpenAI, which started out as a not-for-profit and later pivoted business models. The court ruled that Musk's claims of "breach of charitable trust" were valid but fell outside of the three-year statute limitations; which Tesla and xAI's Musk will appeal, calling the decision a "calendar technicality". My takeaway from what was absolutely not the so-called tech trial of the year is this—none of the people leading AI can be trusted to do the right thing. I'll get to each one of them.

Here are a few nuggets. During the course of this trial, Elon Musk testified that his own artificial intelligence (AI) startup OpenAI distilled many other AI models including those from OpenAI to build Grok. Model distillation, simply put, is to use one AI model to train another model. Of course Musk didn't say this straight. When asked whether xAI had distilled OpenAI's models, Musk tried to avoid the question by saying "generally all AI companies" do this. When pressed further if that meant a yes, he replied "partly". You know what that means.

And I'd simply like to ask, where did all those billions of dollars of funding go, if it was this simple? xAI has raised a total of $42 billion in funding till date, including a massive $20 billion Series E round this January. Mind you, Grok isn't the only product of such an approach.

# जिम के नीचे पटाखा गोदाम में लगी आग, युवाओं ने कूदकर बचाई जान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

**इंदौर। सनावदिया रोड पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया जब वहां स्थित एक पटाखा गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। गोदाम के भीतर भारी मात्रा में बारूद मौजूद होने के कारण आग ने बेहद आक्रामक रूप ले लिया। इस आगजनी की चपेट में आने से गोदाम के आसपास खड़े कई वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए।**

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह पटाखा गोदाम एक संचालित जिम के निचले हिस्से में बना हुआ था। जिस वक्त यह हादसा हुआ, उस समय जिम के अंदर कई युवा वर्कआउट कर रहे थे। आग की लपटें और धुआं देखकर जिम में मौजूद युवाओं में हड़कंप मच गया और उन्हें अपनी जान बचाने के लिए जिम की खिड़कियों और ऊंचाई से नीचे कूदना पड़ा। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि गोदाम संचालक ने प्रशासन की हालिया सख्ती और कार्रवाई से बचने के लिए पटाखों के इस बड़े स्टॉक को यहां छुपाकर रखा था। इस रिहायशी और

व्यावसायिक क्षेत्र में पूरी तरह से अवैध तरीके से पटाखों का भंडारण किया गया था। गौरतलब है कि देवास की पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण हादसे के बाद से ही इंदौर प्रशासन लगातार मुस्तैद है और विभिन्न पटाखा फैक्ट्रियों तथा गोदामों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारी लगातार सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों पर सील करने की कार्रवाई कर रहे हैं। इसी डर की वजह से गोदाम मालिक ने गुपचुप तरीके से माल को इस बेसमेंट जैसी जगह पर डंप किया हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गोदाम के बाहर खड़ी एक कार और तीन बाइकों समेत कुल एक दर्जन से अधिक वाहन जलकर कोयला हो गए। वाहनों की टंकियों में ब्लास्ट होने की वजह से आग तेजी से फैली, जिसके चलते एहतियात के तौर पर आसपास की सभी दुकानों को तुरंत खाली करवाना पड़ा। राहत की बात यह रही कि इस पूरे हादसे में फिलहाल किसी भी व्यक्ति के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है। प्रशासन अभी भी आग लगने के असली कारणों का पता लगाने में जुटा हुआ है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक